>

Title: Need to address the problems being faced by farmers in the Country.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : सन् 1997 से 2007 तक कम से कम डेढ़ लाख किसानों ने आत्महत्या की है जिसमें महाराष्ट्र और विदर्भ में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं हुई हैं। प्रधान मंत्री जी के 3,750 करोड़ रुपये के पैकेज देने के बावजूद भी वहां आत्महत्या का सिलसिला जारी है। इसलिए हमारी मांग है कि उनके ऊपर जो कर्ज है, उसे माफ किया जाना चाहिए। इसके साथ ही किसानों के उत्पादन के मूल्य को भी फिक्स करने की आवश्यकता है। हमारे नासिक में प्याज होता है। यदि प्याज का मूल्य दस रुपये प्रति किलो फिक्स किया जाता है तो उन्हें इसका फायदा हो सकता है। यदि किसानों की आत्महत्याओं को रोकना है तो उनका कर्ज माफ करना ही चाहिए।

हमें इरीगेशन बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। विदर्भ में जमीन अच्छी है, लेकिन इरीगेशन बहुत कम है। कम भूमि वाले जो किसान हैं, हमारे देश में कम से कम 20 करोड़ एकड़ जमीन सरप्लस है। उसे एग्रीकल्चर लैंड बनाने के लिए सरकार को निर्णय लेने चाहिए। भारत सरकार से हमारी मांग है कि किसानों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए।

MR. CHAIRMAN: The next Member is Shri M. Shivanna. Please be brief, and do not make a speech at this late hour. You may mention only the relevant points.